संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688 | जिलों से संभाग तक का सच | email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-10 । अंक-6 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 14 जुलाई 2026 से 20 जुलाई 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

पारदर्शिता की मूरत का 'अंधेरा कोना'

राज्य सूचना आयोग खुद अपने ही 'लोक सूचना अधिकारी' को बचाने में जुटा...?

SPECIAL REPORT

संभाग पोस्ट अपने पिछले कई अंकों में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाता रहा है।

सूचना आयोग के ही 'घर' में 'सूचना का अधिकार कानून' का हो रहा सरेआम कत्ल! लोक सूचना अधिकारी के विरुद्ध शिकायतों पर आयोग की चुप्पी पर उठे सवाल? क्या राज्य सूचना आयोग अपनी ही अधिकारी ज्योति मोडक को बचाने के लिए निभा रहा है 'धृतराष्ट्र' की भूमिका..?

✍ नवीन गलकर

भोपाल/इंदौर। सूचना का अधिकार कानून को लोकतंत्र का सबसे बड़ा हथियार माना जाता है, जिसका काम है सरकारी फाइलों में छिपी धूल को झाड़कर सच्चाई को जनता के सामने लाना। लेकिन क्या हो जब जिस संस्था पर इस कानून की रक्षा करने और उसे लागू करने का जिम्मा हो, वही संस्था अपने ही घर में हो रहे खेल को बचाने के लिए 'अंधे' होने का नाटक करने लगे? जरा सोचिए, जिस आयोग के पास हम 'सच्चाई' मांगने जाते हैं, अगर वही आयोग खुद 'झूठ' और 'भ्रष्टाचार' का पनाहगार बन जाए तो क्या होगा? आज राज्य सूचना आयोग की हालत कुछ ऐसी ही हो गई है। यहाँ की लोक सूचना अधिकारी ज्योति मोडक पर लगे गंभीर आरोपों के बाद, आयोग का रवैया ऐसा है जैसे वे किसी मामले की सुनवाई नहीं, बल्कि 'घर की बात' दबाने की कोशिश कर रहे हों।

मामला बेहद गंभीर और हैरान कर देने वाला है। ज्योति मोडक पर आरोप है कि उन्होंने आरटीआई के तीन अलग-अलग आवेदनों पर इतने विरोधाभासी और झूठे जवाब दिए कि आवेदक का सिर चकरा जाए। लोक सूचना अधिकारी ने न केवल आवेदक को भ्रमित किया, बल्कि सूचना के अधिकार अधिनियम की खुलेआम धज्जियां भी उड़ाईं। एक तरफ कानून कहता है कि आरटीआई में पारदर्शिता जरूरी है, और दूसरी तरफ आयोग की ही अधिकारी जनता को गुमराह कर रही हैं। यह न सिर्फ लापरवाही है, बल्कि जनता के अधिकारों के साथ एक भद्दा मजाक है। आवेदक ने 11 जून, 18 जून और 10 जुलाई 2026 को तीनो जवाब के संबंध में धारा 18 के तहत कुल तीन शिकायतें दर्ज कराईं। सोचा था कि आयोग अपनी अधिकारी पर कार्रवाई करेगा। लेकिन हुआ क्या? शिकायतकर्ता का कहना है कि इन शिकायतों का 'पंजीकरण क्रमांक' हासिल करना मानो किसी किले को फतह करने जैसा कठिन कार्य बना दिया गया है।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

सुविचार

'हर अजनबी में एक सबक छिपा होता है, बस देखने की नज़र चाहिए।'

संपादकीय

दवा न बने दारू

सार्वजनिक विमर्श में लंबे समय से मांग की जाती रही है कि ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं का सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी ओर इन दवाइयों का दुरुपयोग गलत कार्य के लिये करने वालों की इन तक पहुंच मुश्किल हो जाएगी। निश्चय ही यह वक्त की जरूरत थी क्योंकि किशोर और नशे की लत से जूझ रहे लोग अक्सर ऐसी दवाइयों को शराब के सस्ते विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं। जनमानस में उपचार के लिये आम बोलचाल में प्रचलित शब्द 'दवा-दारू', वास्तव में ऐसे नशेड़ियों के लिये नशे का मौका उपलब्ध कराने का जरिया बन जाता था। इस पर अंकुश लगाना निश्चिय ही स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, एम्स दिल्ली के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर ने नशीले पदार्थों की लत छुड़ाने के लिये इलाज करा रहे लोगों के बीच इन दवाइयों व कफ सिरफ आदि के अनुचित इस्तेमाल का पर्याप्त रिकॉर्ड रखा है। इतना ही नहीं, जन स्वास्थ्य से जुड़े कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी इस बाबत चिंता जाहिर कर चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बाकायदा चेतावनी दी है कि जिन जगहों पर सामान्य शराब महंगी होती है या नशाबंदी लागू होने से आसानी से उपलब्ध नहीं होती है, वहां अधिक अल्कोहल वाली दवाइयों के दुरुपयोग की लगातार संभावना बनी रहती है। जो इस बात की ओर स्पष्ट संकेत करता है कि जैसे-जैसे नशीले पदार्थों के रूप में दवाइयों का दुरुपयोग बढ़ता है, वैसे-वैसे ही नियमों में बदलाव करना अपरिहार्य हो जाता है। बहरहाल, कागजों पर नियम बना देना तो मात्र एक शुरुआत भर है। सबसे जरूरी है कि इन नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। साथ ही निगरानी तंत्र को भी मजबूत बनाने की जरूरत है।

माँ के नाम रोपें औषधीय पौधे, आने वाली पीढ़ियों को दें स्वस्थ पर्यावरण

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

मालवमंथन द्वारा अपने जनजागरण प्रकल्प 'हर्बल फर्स्ट एड बॉक्स' एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के समर्थन में शासकीय अहिल्या आश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, महाराणा प्रताप नगर, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में औषधीय पौधों का रोपण एवं पर्यावरण संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में औषधीय पौधों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा भारतीय संस्कृति में प्रकृति और मातृत्व के गहरे संबंध के प्रति जागरूकता विकसित करना था।

मुख्य वक्ता डॉ. स्वप्निल व्यास ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माँ केवल जन्म देने वाली नहीं, बल्कि जीवन के संरक्षण और संवर्धन का प्रतीक है। उसी प्रकार औषधीय पौधे और वृक्ष संपूर्ण मानवता के जीवन की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' केवल पौधारोपण का अभियान नहीं, बल्कि माँ के प्रति सम्मान, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकल्प है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक औषधीय पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज प्राकृतिक स्वास्थ्य की दिशा में भी सशक्त कदम बढ़ाएगा।

डॉ. व्यास ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय परंपरा में तुलसी, गिलोय, अश्वगंधा, एलोवेरा, निर्गुंडी, शतावरी सहित अनेक औषधीय पौधे घरेलू उपचार और स्वस्थ जीवन का आधार रहे हैं। इन पौधों का संरक्षण केवल स्वास्थ्य की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि जैव विविधता, जलवायु संतुलन और प्रकृति के संरक्षण के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से

अपने घर, विद्यालय और आसपास औषधीय पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुजाता जैन ने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का भी केंद्र होता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ते हैं तथा उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने मालवमंथन द्वारा संचालित जन-जागरूकता अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण की यह पहल समाज के लिए प्रेरणादायी है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया गया तथा उनके औषधीय एवं पर्यावरणीय महत्व की जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पौधों के संरक्षण और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय की उप प्राचार्य श्रीमती विमल तलरेजा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन श्रीमती

सुषमा राठौर ने किया तथा श्री मुकेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मालवमंथन के कार्यकर्ता, विद्यालय परिवार, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन ने माँ, प्रकृति और औषधीय पौधों के संरक्षण को एक सूत्र में जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया।

इंदौर के इन 10 रास्तों पर यमराज का पहरा

120 की मौत, सबसे खतरनाक अर्जुन बड़ोद

■ इंदौर । नगर प्रतिनिधि

इंदौर जिले में सड़क हादसों का ग्राफ लगातार चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है। प्रशासन और पुलिस द्वारा चिन्हित किए गए दुर्घटना संभावित क्षेत्रों यानी 'ब्लैक स्पॉट' पर वाहनों की रफ्तार जिंदगी पर भारी पड़ रही है। आंकड़ों के अनुसार जिले में इस समय 25 से अधिक ब्लैक स्पॉट चिन्हित हैं, जिनमें से 10 को बेहद खतरनाक श्रेणी में रखा गया है। शहर के वरिष्ठ आर्किटेक्ट अतुल शेठ कहते हैं कि सिर्फ दावे और योजनाएं ही इन हादसों को नहीं रोक सकती। इसके लिए इच्छाशक्ति की जरूरत है। पिछले कई साल से कई बार समितियां बनाई गई, कई तरह की रिपोर्ट तैयार की गई लेकिन फिर भी शहर के हादसों में कमी नहीं आ रही है। प्रशासन और जिम्मेदारों को बेहद गंभीरता के साथ इस पर काम करना होगा, तभी शहर में होने वाले हादसों की संख्या में कमी आएगी।

अर्जुन बड़ोद में सबसे ज्यादा तबाही, ये हैं 10 सबसे खतरनाक स्थान

जिले के सबसे संवेदनशील और खतरनाक 10 ब्लैक स्पॉट में से अधिकांश राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) पर स्थित हैं। इन सभी में क्षिप्रा का अर्जुन बड़ोद सबसे घातक साबित हुआ है, जहां पिछले दो से तीन महीने के दौरान ही हादसों में 20 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद मानपुर का भेरूघाट दूसरे नंबर पर है, जहां 16 लोगों की जान गई है। वहीं खुड़ैल का देवगुराड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड भी बेहद खतरनाक है, जहां 15 मौतें दर्ज की गई हैं।

इसके अलावा, रालामंडल चौराहा, इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर मांचल, सिमरोल-भेरूघाट, किशनगंज की टीही पुलिया, लवकुश चौराहा, कैलोद करताल फाटा और क्षिप्रा का डकाच्चा ऐसे स्थान हैं जो लगातार खून से लाल हो रहे हैं।

शहर के मुकाबले ग्रामीण हाईवे पर ज्यादा मंडरा रहा है खतरा

अगर आंकड़ों को भौगोलिक आधार पर देखें तो जिले के कुल ब्लैक स्पॉट में से आधे से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में आते हैं। साफ है कि ग्रामीण इलाकों के हाईवे पर रफ्तार और भारी वाहनों के दबाव के कारण स्थिति ज्यादा गंभीर है। मानपुर, सिमरोल और मांचल जैसे हिस्सों में आज भी खतरा पूरी तरह टला नहीं है।

सिर्फ रफ्तार ही नहीं, ये खामियां भी हैं हादसों की वजह

पुलिस और विशेषज्ञों की मानें तो इन ब्लैक स्पॉट पर होने वाले हादसों के लिए केवल तेज रफ्तार ही जिम्मेदार नहीं है। इसके पीछे सड़कों की खराब डिजाइन, भारी वाहनों का अत्यधिक दबाव, खतरनाक कट, अपर्याप्त ट्रैफिक प्रबंधन और कई जगहों पर अधूरे पड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट भी बड़ी वजह हैं। हालांकि, पुलिस और संबंधित एजेंसियों ने अधिकांश जगहों पर 'शॉर्ट टर्म' (कम समय वाले) सुधार पूरे करने का दावा किया है। वहीं कुछ जगहों पर फ्लाईओवर, ब्रिज, टनल और सड़क चौड़ीकरण जैसे 'लॉन्ग टर्म' (दीर्घकालिक) काम जारी हैं। रालामंडल और अर्जुन बड़ोद जैसी जगहों पर ब्रिज बनने के बाद हादसों में कमी आने का दावा जरूर किया जा रहा है।

इंजीनियरिंग के साथ नियमों का पालन भी है जरूरी

इस गंभीर मुद्दे पर अतुल शेठ कहते हैं कि सड़क हादसों को रोकने के लिए केवल इंजीनियरिंग सुधार ही काफी नहीं हैं। जब तक वाहन चालकों द्वारा ओवर स्पीडिंग रोकने, गलत दिशा में वाहन न चलाने और हेलमेट व सीट बेल्ट जैसे अनिवार्य सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन नहीं किया जाएगा, तब तक ब्लैक स्पॉट की संख्या कम होने के बावजूद मौतों के इस सिलसिले पर पूरी तरह रोक लगाना बेहद मुश्किल होगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले- भारत में हथियारों के बल पर डराने वालों को आखिरी सलाम मिला

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के समीप बुढ़ानिया में 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए कहा कि बीएसएफ ने लाल सलाम को आखिरी सलाम में बदला है। वर्तमान के लोकतांत्रिक देश में हथियारों के बल पर अब कोई डरा नहीं सकता। ऐसे लोगों को लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास करना ही होगा। हथियारों के बल पर डराने वालों को जवाब मिल चुका है। पूरे देश में नक्सलवाद का खात्मा हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर अतीत के गौरव के कारण भी जाना जाता है। देवी अहिल्या ने जगह-जगह बावड़ियां और घाट बनवाए। हमारी सरकार ने जल संरक्षण के काम किए। पुराने तालाबों और बावड़ियों को संवारा। इस बार तीन माह तक जल संरक्षण अभियान चलाया गया। इंदौर पहाड़ों पर हरियाली की चादर ओढ़ाने के लिए आगे बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश नदियों का मायका है। मालवा अंचल को नदियों का आशीर्वाद है।

गंगा बेसिन की नदियां गंभीर, चंबल और शिप्रा इंदौर के आसपास से निकलती हैं और गंगा में जाकर मिलती हैं। हमें गर्व है कि धरती की ये बेटियां हमारे अंचल से निकलती हैं। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में अल नीनो तूफान का खतरा भी दिखाई दे रहा है, लेकिन इन सभी खतरों का मुकाबला करने के लिए पेड़ों की बड़ी भूमिका रहती है। ये ऋषि-मुनियों की तरह एक ही जगह खड़े रहकर तपस्या करते हैं और हमें फल देते हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रदेश की आर्थिक दिशा कैसी हो, यह इंदौर तय करता रहा है, लेकिन अब प्रदेश का पर्यावरण कैसा हो, यह भी इंदौर से तय होगा। यहां लगातार हरियाली का ध्यान रखा जा रहा है। पहले 12 लाख पौधे लगाकर विश्व कीर्तिमान बनाया और अब 17 लाख पेड़ लगाए जा रहे हैं।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर में पहले साढ़े 15 लाख पेड़ लगाए थे। इस बार हम साढ़े 22 लाख पेड़ लगा रहे हैं। इंदौर में अब जगह बची नहीं है। हम पथरीली जमीन पर बड़े पेड़ लगा रहे हैं। इंदौर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सर्वाधिक पेड़ लगाए गए हैं।

मंत्री विजयवर्गीय का तंज मेयर से दूरियां बढ़ने का इशारा, अब नहीं रही पहले जैसी बात

इंदौर में 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में जिस अंदाज में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के सामने तंज कसा, वह दोनों के बीच दूरियां बढ़ने का इशारा कर रहा है। मंत्री द्वारा बुलाई गई बैठकों में महापौर लगातार गैरमौजूद रहे। जबकि महापौर पुष्यमित्र भार्गव की गिनती विजयवर्गीय खेमे में होती रही है, लेकिन उनकी गैरमौजूदगी यह बता रही है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। दरअसल, महापौर पुष्यमित्र भार्गव की नजदीकी मुख्यमंत्री मोहन यादव से बढ़ने लगी है।

महापौर जी, आजकल आप हमारी बैठकों में नहीं आ रहे

समारोह में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इस साल शहर में जलसंकट रहा। पेड़ लगाने से भूजल स्तर अच्छा रहता है। फिर उन्होंने कहा, महापौर जी, आप भी इस बात पर ध्यान दें। आजकल आप बहुत व्यस्त रहते हैं। हमारी बैठकों में नहीं आ रहे हैं। उनकी यह बात सुनने के बाद महापौर भी थोड़ी देर के लिए असहज हो गए। विजयवर्गीय ने जब यह बात कही, तब महापौर मुख्यमंत्री मोहन यादव के पास वाली कुर्सी पर ही बैठे थे।

पोस्टरों में विजयवर्गीय के फोटो नहीं लगे थे

इंदौर में पिछले दिनों नगर निगम के आयोजनों में मुख्यमंत्री मोहन यादव शामिल हुए हैं। विजयवर्गीय नगरीय प्रशासन विभाग के मंत्री हैं, लेकिन आयोजनों के पोस्टर और होर्डिंग में उनके फोटो नजर नहीं आए। इसका मुद्दा मंत्री विजयवर्गीय के समर्थक पार्षद मनीष मामा ने महापौर परिषद की बैठक में भी उठाया था। हाल ही में मंत्री विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को इंदौर और पीथमपुर के साथ हो रही उपेक्षा को लेकर पत्र भी लिखा था।

टिकट के लिए दी थी विजयवर्गीय ने सहमति

महापौर चुनाव के समय जब तत्कालीन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने नए चेहरे के रूप में इंदौर महापौर पद के उम्मीदवार के लिए पुष्यमित्र भार्गव का नाम आगे बढ़ाया था, तो उनके नाम पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सहमति दी थी। दरअसल, पुष्यमित्र के पिता मंत्री विजयवर्गीय के साथ पढ़े हैं और दोनों की अच्छी मित्रता है। विधानसभा चुनाव के समय जब तीन नंबर विधानसभा क्षेत्र से आकाश विजयवर्गीय का टिकट कटा था, तब भी मंत्री विजयवर्गीय ने पुष्यमित्र भार्गव का नाम तीन नंबर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार के रूप में सुझाया था। नगरीय प्रशासन विभाग होने के नाते विजयवर्गीय और महापौर के बीच अच्छा तालमेल रहा है, लेकिन अब राजनीतिक परिस्थितियां बदली हुई हैं।

पारदर्शिता की मूरत का 'अंधेरा कोना'

राज्य सूचना आयोग खुद अपने ही 'लोक सूचना अधिकारी' को बचाने में जुटा...?

विजय यादव मुख्य आयुक्त

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बार-बार शिकायत का पंजीकरण नंबर मांगने पर भी आयोग के दफ्तर से उसे आज तक एक 'पंजीकरण क्रमांक' तक नहीं मिला। बार-बार आग्रह करने के बावजूद पंजीकरण क्रमांक न देना, इस ओर इशारा करता है कि यह 'मैनेजमेंट' का एक हिस्सा है, ताकि अपनी ही अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई शुरू ही न हो सके।

सूचना आयोग की जिम्मेदारी 'पारदर्शिता' की निगरानी करना है, लेकिन यहाँ तो 'छिपने और छिपाने' का खेल चल रहा है। क्या आयोग के लिए अपने अधिकारी के नियम विरुद्ध कार्य 'कानून के दायरे' से बाहर हैं? दूसरो को जवाबदेही का पाठ पढ़ाने वाले, खुद अपनी जवाबदेही से क्यों भाग रहे हैं? क्या पंजीकरण क्रमांक देने से आयोग का खजाना खाली हो जाएगा? या फिर डर इस बात का है कि जैसे ही नंबर अलॉट होगा, फाइल खुल जाएगी और 'दाल में काला' नहीं, बल्कि 'पूरी दाल ही काली' नजर आने लगेगी?

स्थिति यह है कि आयोग का दफ्तर न्याय का मंदिर कम और अपनी अधिकारी को बचाने वाली 'क्लीन चिट' फैक्ट्री ज्यादा लग रहा है। बार-बार मांगने पर भी पंजीकरण न देना साफ बताता है कि या तो फाइलें कूड़ेदान में फेंक दी गई हैं, या फिर उन्हें जानबूझकर दबाया जा रहा है ताकि किसी तरह ज्योति मोडक को बचाया जा सके। यह सिर्फ ज्योति मोडक या एक शिकायत का मामला नहीं है। यह उस भरोसे का है जो जनता ने आरटीआई कानून पर किया था। अगर आयोग ही अपने दफ्तर के अधिकारियों पर कार्रवाई करने से डरेगा, तो फिर आम आदमी की सुनवाई कौन करेगा? आयोग जवाब दे-क्यों छिपाई जा रही हैं ये शिकायतें? किसका दबाव है? और कब तक ज्योति मोडक को बचाने का यह खेल चलता रहेगा? संभाग पोस्ट लगातार अखबार में खबरे प्रकाशित कर राज्य सूचना आयोग की कार्यप्रणाली और मुख्य सूचना आयुक्त की चुप्पी पर प्रश्न पूछ रहा है।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७०प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

- समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
- ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
- ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
- हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
- हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
- जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
- यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
- अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
- हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

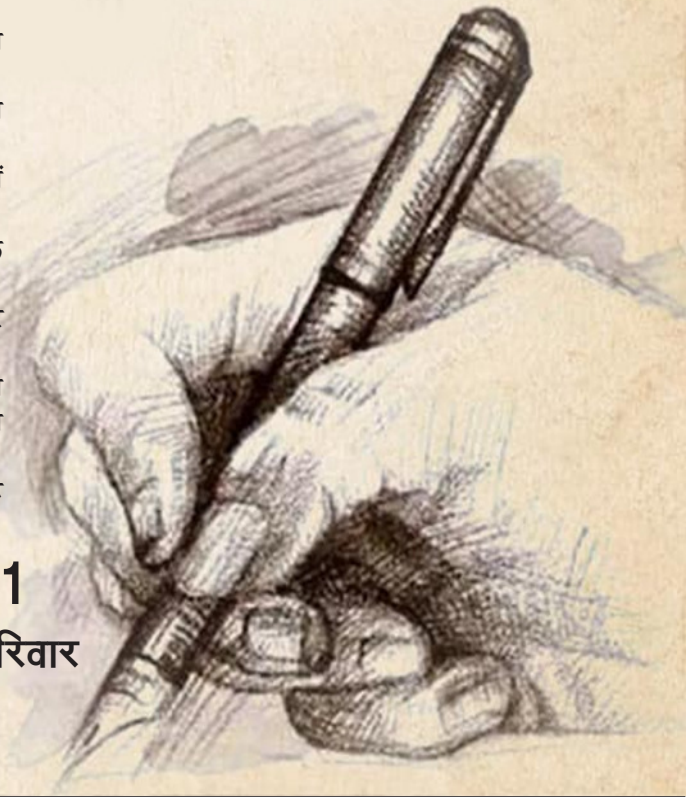

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

निरंतर परिश्रम, स्पष्ट लक्ष्य और वरिष्ठों के मार्गदर्शन से ही मिलती है वकालत में सफलताः सतीश श्रीवास्तव

संस्था न्यायाश्रय द्वारा 'प्रैक्टिस कैसे शुरू करें' विषय पर संगोष्ठी एवं इंदौर अभिभाषक संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का अभिनंदन समारोह सम्पन्न

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

संस्था न्यायाश्रय द्वारा जिला न्यायालय ऑडिटोरियम, इंदौर में 'प्रैक्टिस कैसे शुरू करें' विषय पर एक प्रेरणादायी संगोष्ठी एवं इंदौर जिला अभिभाषक संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विधि विद्यार्थी, युवा अधिवक्ता एवं वरिष्ठ अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता श्री सतीश श्रीवास्तव ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि वकालत प्रारंभ करने से पहले प्रत्येक युवा अधिवक्ता को अपना उद्देश्य स्पष्ट कर लेना चाहिए। जब लक्ष्य स्पष्ट होगा तभी परिश्रम सही दिशा में होगा और सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि वकालत के प्रारंभिक दौर में अधिवक्ता को स्वयं अपने क्लाइंट तलाशने पड़ते हैं, लेकिन जब वह ईमानदारी, मेहनत और निरंतरता के साथ कार्य करता है तो एक समय ऐसा आता है जब क्लाइंट स्वयं अधिवक्ता को खोजते हैं। उन्होंने कहा कि सफलता एक या दो दिन के प्रयास से नहीं, बल्कि निरंतर परिश्रम, धैर्य और अनुशासन से प्राप्त होती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विशेष न्यायाधीश श्री देवेंद्र प्रसाद मिश्र ने युवा अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नवीन अधिवक्ताओं को अपने वरिष्ठ अधिवक्ताओं के प्रति सदैव श्रद्धा, सम्मान और विश्वास बनाए रखना चाहिए, क्योंकि वरिष्ठों के पास वर्षों का अनुभव एवं व्यावहारिक ज्ञान होता है। उन्होंने कहा कि सीखने की ललक और विनम्रता ही एक सफल अधिवक्ता की सबसे बड़ी पहचान है। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था न्यायाश्रय के राष्ट्रीय अध्यक्ष, एडवोकेट एवं विधि विशेषज्ञ डॉ. पंकज वाधवानी ने विषय परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि वकालत का व्यवसाय असीम संभावनाओं से भरा हुआ है। आवश्यकता केवल उन संभावनाओं को पहचानने, सही दिशा में कार्य करने तथा दृढ़ संकल्प एवं लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने की है। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन संस्था न्यायाश्रय इंदौर इकाई के अध्यक्ष एडवोकेट राहुल सिंह यादव ने किया। संगोष्ठी के उपरांत इंदौर जिला अभिभाषक संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित सचिव एडवोकेट धर्मेंद्र गुर्जर एवं उपाध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र निम ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए युवा अधिवक्ताओं को संगठन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के वरिष्ठ सदस्य श्री राकेश पांडे ने आभार प्रदर्शन करते हुए सभी अतिथियों, अधिवक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर संस्था न्यायाश्रय के पदाधिकारी एवं सदस्यगण डॉ. करिश्मा पुरोहित, सोनाली वर्मा, कल्पना, कविता हरणे, अजय सिंह, गजेश सिंह बेतवा, जाहिद मुल्तानी, मृदुल बंसल, भूमि नागदेव तथा लॉ फैकल्टी भावना मैडम सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं विधि विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इंदौर के 13 केंद्रों पर अभ्यर्थियों ने दी एमपीपीएससी परीक्षा

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2025 रविवार 12 जुलाई को इंदौर में सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। परीक्षा के दौरान सभी 13 परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाएं चाक-चौबंद नजर आईं और परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा या समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देशन में प्रशासन द्वारा किए गए पुख्ता इंतजामों के कारण परीक्षा का संचालन सुचारु और पारदर्शी रहा। परीक्षा में शामिल होने के लिए पंजीकृत 5,710 अभ्यर्थियों के लिए केंद्रों पर प्रवेश से लेकर परीक्षा समाप्ति तक सभी प्रक्रियाएं व्यवस्थित ढंग से पूरी की गईं।

दो सत्रों में आयोजित हुई परीक्षा

यह महत्वपूर्ण परीक्षा रविवार को दो अलग-अलग सत्रों में आयोजित की गई थी। प्रथम सत्र सुबह 10 बजे से 11 बजे तक आयोजित हुआ, जबकि दूसरा सत्र दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक चला। प्रशासन और आयोग के कड़े नियमों के मुताबिक अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने के ठीक 15 मिनट पहले तक ही केंद्रों में प्रवेश दिया गया। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद किसी भी केंद्र पर प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई, जिससे केंद्रों के बाहर अनावश्यक भीड़ या अव्यवस्था की स्थिति नहीं बनी। यह परीक्षा मुख्य रूप से छह विषयों संस्कृत, भूगोल, मनोविज्ञान, विधि, भूगर्भशास्त्र और योगिक विज्ञान के लिए आयोजित की गई थी। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षा कक्षों में मोबाइल फोन, स्मार्ट व डिजिटल घड़ी, ब्लूटूथ, कैलकुलेटर, पेन ड्राइव और ईयरफोन जैसे सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को पूरी तरह प्रतिबंधित रखा गया था।

एमपी से कहां गया मानसून?

एकदम से थम गई बारिश

बंगाल की खाड़ी से आया बड़ा अपडेट, जानें कब से होगी बारिश

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

एमपी में दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, राज्य में मानसून को ऊर्जा देने वाली मौसम प्रणालियां कमजोर पड़ने से बारिश का दौर थम सा गया है। हालांकि, किसानों और आम जनता के लिए राहत की बात यह है कि बंगाल की खाड़ी में एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होने जा रहा है, जिससे जुलाई के दूसरे पखवाड़े में प्रदेश भर में एक बार फिर भारी बारिश का दौर शुरू होने की जोरदार संभावना है।

पूर्व मौसम वैज्ञानिक शैलेंद्र कुमार नायक के अनुसार, पिछले 24 घंटों में प्रदेश के किसी भी हिस्से में भारी या अति भारी बारिश दर्ज नहीं की गई है। अगले दो से तीन दिन प्रदेश में बारिश को लेकर कोई बड़ा अपडेट या अलर्ट भी नहीं है। हालांकि 15 जून से मौसमी परिस्थितियां बदलेंगी और एक बार फिर जोरदार बारिश का सिस्टम बनने की संभावना है।

पूर्वी एमपी में हल्की फुहारें, पश्चिमी इलाका सूखा

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में बारिश की गतिविधियां केवल पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ सीमित क्षेत्रों तक ही सिमटी रहीं। मऊगंज के हनुमना में 16 मिमी, नैगढ़ी में 4 मिमी, सीधी के सिहावल में 3 मिमी, गोपदबनास में 1.2 मिमी और अनूपपुर के बिजुरी में 1.1 मिमी पानी गिरा। वहीं, पश्चिमी मध्य प्रदेश में मौसम साफ रहा और कहीं भी उल्लेखनीय बारिश दर्ज नहीं की गई। गरज-चमक की स्थिति कमजोर रहने के कारण भिंड में हवा की अधिकतम रफ्तार 35 किमी प्रति घंटा रिकॉर्ड की गई।

क्यों कमजोर पड़ा मानसून?

मौसम विशेषज्ञ डॉ. शैलेंद्र नायक के अनुसार मानसून को सक्रिय बनाए रखने वाली प्रमुख मौसमी प्रणालियां फिलहाल कमजोर हो गई हैं या उनका प्रभाव मध्य प्रदेश से दूर चला गया है। इसी वजह से प्रदेश में व्यापक बारिश नहीं हो रही और अधिकांश क्षेत्रों में केवल बादल व हल्की फुहार जैसी स्थिति बनी हुई है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा है नया चक्रवात

मौसम विभाग के विस्तारित अवधि पूर्वानुमान के अनुसार, 13 से 19 जुलाई के बीच उत्तर बंगाल की खाड़ी में एक नया 'ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण' बनने जा रहा है। यदि परिस्थितियां अनुकूल रहीं, तो यह मजबूत होकर कम दबाव के क्षेत्र में बदल सकता है। यह सिस्टम ओडिशा और छत्तीसगढ़ के रास्ते पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए मध्य प्रदेश को प्रभावित करेगा।

15 से 17 जुलाई के बीच फिर लौटेगा मानसून

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस नए सिस्टम के असर से मानसून द्रोणिका फिर से सक्रिय होगी।

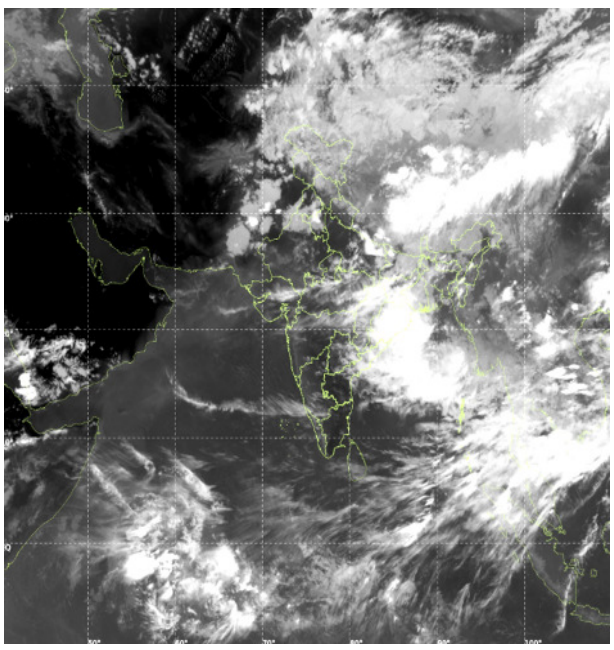

पूर्वी मध्य प्रदेश के जिलों में सबसे पहले बारिश की रफ्तार बढ़ेगी

पश्चिमी मध्य प्रदेश के जिलों में भी व्यापक और अच्छी बारिश का दौर शुरू होगा

15 से 17 जुलाई के बीच पूरे मध्य प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में उल्लेखनीय तेजी आएगी

विशेषज्ञों ने किसानों और जल संसाधन प्रबंधकों को आगामी दिनों के मौसम पूर्वानुमान पर नजर रखने की सलाह दी है, क्योंकि जुलाई के इस दूसरे पखवाड़े में खेती-किसानी के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनने जा रही हैं।

बड़वानी में 3.10 करोड़ के मार्केट लोकार्पण में भिड़े भाजपा-कांग्रेस नेता, कमेंट से मचा बवाल, हंगामे में हुआ उद्घाटन

■ बड़वानी। संभाग पोस्ट

शहर के झंडा चौक स्थित नवनिर्मित स्ट्रीट वेंडर मार्केट के लोकार्पण समारोह में रविवार को विकास के मंच पर सियासत हावी हो गई। करीब 3.10 करोड़ रुपये की लागत से बने इस मार्केट के उद्घाटन के दौरान भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। पिछली कांग्रेस परिषद पर की गई टिप्पणी से नाराज कांग्रेस विधायक राजन मंडलोई अपने समर्थकों के साथ कार्यक्रम का बहिष्कार कर मंच से उतर गए। हंगामे और नारेबाजी के बावजूद भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम जारी रखा।

कार्यक्रम की शुरुआत सांसद गजेंद्र सिंह पटेल, पूर्व मंत्री प्रेमसिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष अश्विनी 'निक्कू' चौहान तथा अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा पूजा-अर्चना और फीता काटकर लोकार्पण से हुई। इसके बाद मंचीय कार्यक्रम के दौरान विवाद तब शुरू हुआ जब भाजपा मंडल अध्यक्ष शुभम पांडे ने अपने संबोधन में वर्तमान भाजपा परिषद की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 'पिछली कांग्रेस परिषदों ने कुछ नहीं किया।'

कांग्रेस विधायक ने जताई आपत्ति

इस टिप्पणी पर विधायक राजन मंडलोई ने तत्काल आपत्ति जताई और कहा कि विकास कार्यों के मंच को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुरानी सब्जी मंडी को हटाकर स्ट्रीट वेंडर मार्केट बनाने की योजना और उसकी टेंडर प्रक्रिया कांग्रेस परिषद के कार्यकाल में शुरू हुई थी। ऐसे में उद्घाटन समारोह में पूर्व परिषद को बदनाम करना उचित नहीं है।

बड़वानी स्ट्रीट वेंडर मार्केट की मुख्य बातें:

कुल लागतः डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर बना यह मार्केट 3.10 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है।

किसे मिलेगा फायदाः शहर के रेहड़ी-पटरी, फल और सब्जी विक्रेताओं को यहां स्थायी और व्यवस्थित दुकानें मिलेंगी।

केंद्र की योजनाएं: सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने इसे अमृत-2 और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर के विकास का बड़ा हिस्सा बताया।

कार्यक्रम के संचालन पर भी सवाल

विधायक ने कार्यक्रम के संचालन पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि मंच संचालन नगर पालिका के एक सप्लायर से कराया गया, जिसने कई निर्वाचित पार्षदों के नाम तक नहीं लिए। उन्होंने इसे जनप्रतिनिधियों के सम्मान की अनदेखी बताते हुए कहा कि अभद्र भाषा और राजनीतिक कटाक्ष के विरोध में कांग्रेस ने कार्यक्रम का बहिष्कार किया। इसके बाद कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मंच छोड़कर चले गए।

कांग्रेस के वॉकआउट के बाद भी जारी रहा कार्यक्रम

कांग्रेस के वॉकआउट के बाद भी भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम जारी रखा। सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि शहर में लंबे समय से

स्ट्रीट वेंडर मार्केट की मांग थी। अब रेहड़ी-पटरी और फल-सब्जी विक्रेताओं को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर बने इस मार्केट में स्थायी दुकानें मिलेंगी, जिससे उनका रोजगार अधिक व्यवस्थित होगा।

तकरार बनी चर्चा का विषय

सांसद ने परियोजना को केंद्र सरकार की योजनाओं से जोड़ते हुए कहा कि अमृत-2, स्वच्छ भारत मिशन, पेयजल पाइपलाइन और अन्य विकास कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल विकास की बात नहीं करती, बल्कि उसे धरातल पर उतारकर भी दिखाती है। इस तरह फुटकर विक्रेताओं के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे स्ट्रीट वेंडर मार्केट का लोकार्पण समारोह विकास से अधिक राजनीतिक तकरार के कारण चर्चा का विषय बन गया।

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिकः 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

चेतन टेलर्स
(सूट स्पेशलिस्ट)
सुनिल खटके
मो. 9893118079
30/1.परदेशीपुरा, शिवधाम के सामने, इंदौर

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पताः हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

AFSL SERVICES INDIA LLP
Registered Under Ministry of Corporate Affairs & MSME, Govt of India
An ISO 9001: 2015 Certified Forensic Science Laboratory, LLPIN: ACN-6724
FORENSIC SCIENCE SERVICES
Scientific Assistance Towards Justice
- Crime Scene Investigation
- Handwriting, Signature & Documents Examination
- Fingerprint Examination
- Audio & Video Examination
- Voice Examination
- Computer/Cyber Crime Investigation
- Fire & Arson Investigation
- Insurance Fraud Investigation
- 65B IEA Certificate [63(4)(c) BSA]
- Cross Examination of forensic experts and reports
- Forensic Training & Internship
- Medicolegal Consultancy
- Photography Examination
- Forensic Consultancy.
www.appliedforensicresearchsciences.in

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामशेवक दुबे
9406621084
पूजा
बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

गेल के सहयोग से ककराना में शुरू हुआ कौशल विकास केंद्र, जनजातीय युवाओं और महिलाओं को मिलेगा आत्मनिर्भर बनने का अवसर

■ डही। संभाग पोस्ट

नर्मदा किनारे बसे जनजातीय क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण पहल हुई। डही तहसील के समीप स्थित ग्राम ककराना में नर्मदा समग्र द्वारा गेल (इंडिया) लिमिटेड के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) सहयोग से स्थापित कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। केंद्र के माध्यम से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण, स्वरोजगार के अवसर तथा आजीविका संवर्धन की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। लोकार्पण समारोह की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष हजरी बाई खरत थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में गेल (इंडिया) लिमिटेड, नई दिल्ली की वरिष्ठ सीएसआर अधिकारी नमिता झा तथा आईआईटी जोधपुर के सुनील दुहान उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नर्मदा समग्र न्यास, भोपाल के अध्यक्ष राजेश दवे ने की। ग्राम पंचायत ककराना के सरपंच बिहारीलाल डावर भी मंचासीन रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में नर्मदा समग्र द्वारा पिछले 18 वर्षों से नर्मदा अंचल में स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए केवल योजनाएं नहीं, बल्कि निरंतर सामाजिक सहभागिता और कौशल विकास आवश्यक है। इस अवसर पर ग्राम ककराना की तीन फलियों की 160 महिलाओं को निःशुल्क जी-फिल्टर वितरित किए गए। इससे ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होगा तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम में भी मदद मिलेगी।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने नर्मदा समग्र की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि कौशल विकास केंद्र क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई राह खोलेगा। उन्होंने संस्था द्वारा जनजातीय अंचलों में किए जा रहे कार्यों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम का संचालन नर्मदा समग्र के मुख्य कार्यकारी डॉ. कार्तिक सप्रे एवं राज्य समन्वयक मनोज जोशी के मार्गदर्शन में हुआ। इस दौरान संस्था के वैभव उपाध्याय, राजेश जादम, अभिषेक भटोरे, अनुराग शर्मा, शैलेंद्र पवार, मिथुन यादव, जयपाल खरत, कादुसिंह डोडवा, गोविंदजी, राकेश खरत, गोपाल प्रजापति, गुमान सिंह डावर सहित अलीराजपुर की स्वास्थ्य टीम, स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में राजेंद्र सास्तिया ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए जनसहभागिता के माध्यम से विकास और जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

'गुरु महाराज श्री ईश्वर दत्त जी का १०४वां जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया'

■ डही। संभाग पोस्ट

ब्रह्मलीन परम पूज्य श्री श्री 1008 ईश्वर दत्त जी गुरु महाराज का 104वां पावन जन्मोत्सव गुरुवार, 9 जुलाई 2026 को श्री नारायण कुटी, नया आश्रम, कुआँ (धरमराय) में श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जन्मोत्सव के अवसर पर विशाल धार्मिक आयोजन किए गए, जिनमें क्षेत्र सहित आसपास के अनेक गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तजन सपरिवार शामिल हुए। सद्गुरु ईश्वर दत्त जी स्मृति जनकल्याण समिति द्वारा संचालित आश्रम परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। शाम होते ही श्रद्धालुओं का आगमन प्रारंभ हो गया था। गुरु महाराज के चित्र एवं चरण पादुका का पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात विधिवत आरती, गुरु वंदना एवं भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। भजनों की मधुर प्रस्तुतियों ने पूरे आश्रम परिसर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। श्रद्धालु देर तक भक्ति रस में डूबे रहे और गुरु महाराज के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान होता रहा। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरु महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक संदेशों एवं मानव सेवा के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए उनके बताए सत्य, सेवा, सदाचार, प्रेम, करुणा एवं लोककल्याण के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि गुरु महाराज का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है तथा उनके आदर्श आज भी जनमानस को आध्यात्मिक और नैतिक जीवन की दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। श्रद्धालुओं ने गुरु महाराज के श्रीचरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि तथा विश्व कल्याण की मंगलकामना की। धार्मिक आयोजन के समापन पर सभी श्रद्धालुओं के लिए स्वल्पाहार एवं प्रसादी की व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन की समुचित व्यवस्थाओं में सद्गुरु ईश्वर दत्त जी स्मृति जनकल्याण समिति के पदाधिकारियों, आश्रम सेवकों एवं स्थानीय श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा। पूरे आयोजन के दौरान आश्रम परिसर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण से ओत-प्रोत रहा।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को डॉ. पुनीत द्विवेदी ने भेंट की अपनी पुस्तक

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

हैदराबाद में लेखक एवं शिक्षाविद् डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी ने 8 जुलाई 2026 को तेलंगाना के महामहिम राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल से लोक भवन (राजभवन), हैदराबाद में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने अपनी पुस्तक 'आंत्रप्रेन्योर्शिप ऐंड न्यू वेंचर क्रियेशन' (Entrepreneurship and New Venture Creation) की प्रति राज्यपाल को भेंट की। राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल ने पुस्तक का अवलोकन करते हुए उद्यमिता एवं नवाचार के क्षेत्र में डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पुस्तकें युवाओं में उद्यमिता की सोच विकसित करने तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। भेंट के दौरान

उच्च शिक्षा, नवाचार, कौशल विकास, स्टार्टअप संस्कृति तथा युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वर्तमान में डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी इंदौर स्थित ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल महाविद्यालय एवं इंदौर इंटरनेशनल महाविद्यालय में प्रोफेसर एवं समूह निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही वे अवंतिका विश्वविद्यालय, उज्जैन में मध्य प्रदेश शासन के नामित सदस्य भी हैं। डॉ. द्विवेदी ने राज्यपाल के स्नेह, मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महामहिम के प्रेरक विचार शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों, शोधार्थियों तथा युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

संभाग पोस्ट

इंदौर में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या में खुलासा

8.22 पर भाई से कहा- तलाक चाहिए, 9 बजे पति ने काट डाला

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या के मामले में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं. हत्याकांड में एक और हैरान कर देने वाली बात निकलकर सामने आई है. पुलिस के मुताबिक वारदात वाले दिन उर्मिला ने अपने भाई को कॉल करके कहा था कि उन्हें तुरंत पति से तलाक चाहिए. उसकी थोड़ी देर बाद ही आरोपी पति अखिलेश ने धारदार हथियार से हत्या कर दी.

8.22 पर भाई को कॉल किया, 9 बजे कर दी हत्या

पुलिस की जांच में सामने आया है कि 11 जुलाई को, यानी जिस दिन उर्मिला की हत्या की गई, उसी दिन उर्मिला ने सुबह अपने भाई मनोज मालाकार को कॉल किया था. कॉल पर उर्मिला ने अपने भाई से कहा था कि वकील का इंतजाम करो. अब अलग होना है और तुरंत ही तलाक देना है. हालांकि परिजनों को लगा कि सामान्य घरेलू झगड़ा है. इसलिए किसी ने ज्यादा सीरियस नहीं लिया. लेकिन थोड़ी देर बाद पता चला कि उर्मिला की हत्या कर दी गई है. थोड़ी देर बाद सुबह 9 बजे के आसपास आरोपी पति अखिलेश ने धारदार हथियार से अपनी पत्नी उर्मिला सैनी की हत्या कर दी.

हत्या के बाद नहाया और कपड़े बदलकर बाहर चला गया

आरोपी अखिलेश ने सुबह अपने बच्चों को स्कूल छोड़ा और फिर लौटकर वापस आने के बाद अपनी पत्नी की हत्या कर दी. इसके बाद खून के धब्बे साफ करने के लिए नहाया और कपड़े बदलकर बाहर चला गया. बच्चों की छुट्टी दोपहर में होती है. बच्चे जब दोपहर एक बजे वापस घर लौटे तो मां की लाश देखकर रोने लगे और अपने मामा को फोन लगाया. जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हत्या का पता लगा.

पिता बोले- बेटी से हमेशा झगड़ा करता था दामाद

वहीं उर्मिला के पिता सत्यनारायण मालाकार ने बताया कि शादी के बाद से ही दामाद अखिलेश बेटी से झगड़ा करता रहता था. बेटी को परेशान देखकर हम लोग भी दुखी होते थे. कई बार बेटी से कहा भी था कि ऐसे आदमी को तलाक दे दो. उर्मिला भी बहुत परेशान हो चुकी थी और अलग होना चाहती थी लेकिन बच्चों के कारण तलाक देने का फैसला नहीं ले पा रही थी. बता दें 11 जुलाई को पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की उनके पति अखिलेश ने डाक कुंज कॉलोनी के सरकारी आवास में धारदार हथियार से हत्या कर दी थी.

इंदौर में 15.70 लाख की एमडी ड्रग्स जब्त, आगर मालवा का तस्कर गिरफ्तार पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर पुलिस मादक पदार्थों की तस्करी पर लगातार शिकंजा कस रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगर मालवा निवासी दानिश कुरैशी को लाखों रुपये की एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। कनाड़िया थाना प्रभारी सहर्ष यादव ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले साजिद कुरैशी निवासी इल्यास कॉलोनी और इसराइल पटेल निवासी न्यू हिना पैलेस कॉलोनी को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से 5.60 ग्राम एमडी ड्रग्स और कार (MP 09 ZG 3434) बरामद की गई थी। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि यह मादक पदार्थ आगर मालवा निवासी दानिश कुरैशी से लाया गया था। इसके बाद पुलिस ने दानिश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 42.18 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की। तीनों आरोपियों के पास से कुल 47.78 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 15 लाख 70 हजार रुपये बताई जा रही है। तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। शुरुआती जांच में राजस्थान के कुछ बड़े ड्रग तस्करों से इनके संबंध होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का मानना है कि आरोपी राजस्थान से एमडी ड्रग्स लाकर इंदौर के स्थानीय तस्करों को सप्लाई करता था। अब यह पता लगाया जा रहा है कि ड्रग्स किससे खरीदी जाती थी और किन-किन लोगों तक इसकी सप्लाई की जाती थी। पुलिस का कहना है कि इस मामले में जल्द ही कुछ और आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

आबकारी विभाग की दो अलग-अलग कार्यवाहियों में 21.75 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार, कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी तथा डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज सुश्री सृष्टि गिरवाल, श्री राजेश बट्टी एवं उनकी टीम द्वारा गश्त के दौरान संदेह के आधार पर मोती तबेला रोड पर दोपहिया वाहन क्रमांक MP-09-SU-1143 (होंडा एक्टिवा) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से 50 पाव देशी मसाला मदिरा अवैध रूप से परिवहन करते हुए बरामद की गई।

जब्त मदिरा एवं वाहन को विधिवत कब्जे में लेकर आरोपी सोनू पिता नंदूलाल गौड़ के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जब्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य 85 हजार 450 रुपये है। एक अन्य कार्रवाई में आबकारी दल द्वारा अर्जुनपुरा, महू नाका क्षेत्र में स्थित एक कमरे की विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वहां से 11 बोतल विदेशी मदिरा तथा 25 पाव देशी मसाला मदिरा बरामद कर जब्त की गई। दोनों कार्रवाइयों में कुल 21.75 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई। आबकारी विभाग द्वारा प्रकरणों में नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम के पास मेट्रो स्टेशन के पीछे खतरनाक मकान ढहाया

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

नगर निगम द्वारा खतरनाक मकानों को ढहाने की कार्रवाई लगातार की जा रही है और आज सुबह निगम की रिमूवल टीम ने नगर निगम के पास एमजी रोड थाने के समीप बन रहे मेट्रो के अंडरग्राउंड स्टेशन के पीछे जर्जर मकान को ढहाने की कार्रवाई की।

निगम अधिकारियों के मुताबिक मकान के कई हिस्से बेहद खतरनाक थे और हवा में झूल रहे थे। पोकलेन और जेसीबी के पंजे लगते ही मकान भरभराकर ढह गया। निगम ने मकान पर कार्रवाई के पहले संबंधितों को नोटिस जारी कर सामान हटाने को कहा था। अफसरों के मुताबिक मकान सुभाष जैन का बताया जाता है और वहां मेट्रो स्टेशन के पीछे होने के कारण वहां सडक़ पर आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में कुछ दिन पहले ही मकान के हिस्से सडक़ पर गिरे थे।

अब तक 25 खतरनाक मकानों पर निगम ने की कार्रवाई

नगर निगम की रिमूवल टीम ने अब तक छावनी, श्रद्धानंद मार्ग, मोरसली गली, सराफा, बोहरा बाजार से लेकर कई स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 25 से ज्यादा खतरनाक मकानों को ढहने की कार्रवाई, इनमें सबसे ज्यादा विवाद की स्थिति परदेशीपुरा में बनी वर्षों पुरानी चाल को तोडने के दौरान हंगामा हुआ था और वहां रहने वाले परिवार कुछ समय की मोहलत मांग रहे थे।

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948